# महाजनपद, हर्यंक वंश, शिशुनगा वंश, नन्द वंश

## 16 महाजनपद

- **मगध (पटना, गया और नालंदा जिला)** – प्रथम राजधानी राजगृह थी और बाद में राजधानी पाटलिपुत्र बनी।
- **अंग और वंग (मुंगेर और भागलपुर)** – इसकी राजधानी चंपा थी। यह समृद्ध व्यापार केन्द्र था।
- **मल्ल (देवरिया, बस्ती, गोरखपुर क्षेत्र)** – इसकी राजधानी कुशीनगर थी। यह कईं अन्य छोटे राज्यों की पीठ थी। इनका प्रमुख धर्म बौद्ध धर्म था।
- **वत्स (इलाहाबाद और मिरज़ापुर)** – इसकी राजधानी कौशाम्बी थी। इस राजवंश का सबसे शक्तिशाली राजा उदायिन था।
- **काशी (बनारस)** – इसकी राजधानी वाराणसी थी। यद्यपि कौशल राज्य के साथ कईं युद्ध लड़े गए लेकिन अंतत: काशी को कौशल राज्य में मिला लिया गया।
- **कौशल (अयोध्या)** – यद्यपि इसकी राजधानी शरावती थी जिसे साहेत-माहेत भी कहते थे लेकिन अयोध्या कौशल में एक महत्वपूर्ण शहर था। कौशल ने कपिलवस्तु के शकों के आदिवासी संघीय क्षेत्र को भी मिलाया था।
- **वज्जी (मुजफ्फ़र नगर और वैशाली)** – वज्जी आठ छोटे राज्यों के एक संघ का सदस्य था जिसमें लिच्छवी, जांत्रिक और विदेह भी सदस्य थे।
- **कुरु (थानेश्वर, मेरठ और वर्तमान दिल्ली)** – इनकी राजधानी इन्द्रप्रस्थ थी।
- **पंचाल (पश्चिमी उत्तर प्रदेश)** – इसकी राजधानी काम्पिल्य थी। पहले यह एक राजतंत्र था, बाद में एक स्वतंत्र प्रजातंत्र बन गया। इस राज्य में कन्नौज महत्वपूर्ण शहर था।
- **मत्स्य देश (अलवड़, भरतपुर और जयपुर)** – इसकी राजधानी विराटनगर थी।
- **अश्मक (नर्मदा ओर गोदावरी के मध्य)** – इसकी राजधानी पेरताई थी और ब्रह्मदत्त सबसे महत्वपूर्ण शासक था।
- **गांधार (पेशावर और रावलपिंडी)** – इसकी राजधानी तक्षशिला उत्तर वैदिक काल के दौरान व्यापार और शिक्षा (प्राचीन तक्षशिला विश्वविद्यालय) का प्रमुख केन्द्र थी।
- **कंबोज (पाकिस्तान का हजारा जिला, उत्तर-पूर्व कश्मीर)** – इसकी राजधानी राजापुर थी। हजारा इस राज्य का प्रमुख व्यापार एवं वाणिज्य केन्द्र था।
- **अवन्ति (मालवा)** – अवन्ति को उत्तर और दक्षिण दो भागों में बांटा गया था। उत्तरी भाग की राजधानी उज्जैन थी और दक्षिणी भाग की राजधानी महिष्मति थी।
- **चेदी (बुंदेलखण्ड)** – शक्तिमति चेदी राज्य की राजधानी थी। चेदी राज्य यमुना और नर्मदा नदी के मध्य फैला हुआ था। इस राज्य के एक परिवार को बाद में कलिंगा राज्य के राजशाही परिवार में विलय कर दिया गया था।
- **सूरसेन (बृजमंडल)** – इसकी राजधानी मथुरा थी और इसका सबसे विख्यात शासक अवन्तिपुत्र था।

## मगध साम्राज्य का उदय

- बिम्बसार ने विजय और आक्रमकता की नीति अपनाई और कईं राज्यों को मगध के साम्राज्य में मिलाया। उसने कईं विवाह संधियों के माध्यम से भी अपने साम्राज्य का विस्तार किया।
- राजगीर पहाड़ियों से घिरा था और पत्थर की दीवार इसको अभेदनीय बनाती थी।
- प्रचूर मात्रा में लोहे की उपस्थिति ने हथियार बनाने, जंगल साफ करने और कृषि अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान दिया।
- अपने पड़ोसी राज्यों के खिलाफ युद्ध करने में हाथियों का भी प्रयोग होता था।

सोलह महाजनपद के स्रोत

- अंगुत्तर निकाय, महावस्तु (बौध्द साहित्य)
- भगवती सुट्टा (जैन साहित्य)

## वंशज

## हर्यंका वंश

- **बिम्बसार (544 - 492 ईसा पूर्व)**

1. हर्यंका मगध में बिम्बसार द्वारा स्थापित नए राजवंश का नाम था। इसे सेनीय भी कहा जाता था जो भारत में नियमित और स्थाई सेना रखने वाला प्रथम भारतीय था।
2. बिम्बसार बुद्ध के समकालीन था।
3. पाटलिपुत्र और राजगृह मगध राज्य की राजधानी थीं। मगध, बिहार में पटना तक फैला था।

- **अजातशत्रु (492 – 460 ईसा पूर्व)**

1. इसने अधिक आक्रामक नीति अपनाई। काशी और वज्जी पर नियंत्रण किया। राजगीर किले का निर्माण किया।
2. इसने प्रथम बुद्ध परिषद का आयोजन किया।

- **उदायिन (460 – 440 ईसा पूर्व)**

1. इन्होंने पाटलिपुत्र की स्थपना की और राजधानी को राजगीर से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया।

## शिशुनाग वंश (412 – 344 ईसा पूर्व)

- लोगों ने नागदशक (अंतिम हर्यंका शासक) को हटाकर शिशुनाग को चुना और इस तरह से हर्यंका वंश का अंत हुआ।

- शिशुनाग को कालाशोक ने अपदस्थ किया। इसी ने द्वितिय बौद्ध परिषद् का आयोजन किया।

**नंद वंश (344 – 323 ईसा पूर्व)**

- महापद्मा नंद, नंद वंश का संस्थापक और प्रथम राजा था।
- इसने मगध वंश को हटाया और नए साम्राज्य की स्थापना की। इसे सर्वक्षत्रांटक और उग्रसेन के नाम से जाना जाता था।
- महापद्मा नंद को एकरात - एकमात्र सम्राट कहा जाता था।
- प्रारंभ में नंदों ने मगध के एक बड़े हिस्से पर शासन किया और बाद में नंद वंश की सीमाओं का उसके शासकों द्वारा हर दिशाओं में विस्तार किया गया।
- घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसके शासन काल में एलेक्ज़ेंडर ने 326 ईसा पूर्व में उत्तर-पश्चिमी भारत पर आक्रमण किया था।

322-321 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य वंश की स्थापना की।

byjusexamprep